नईदुनिया

भोपाल , 19 जुलाई 2026

खास-खबरें

कोटक महिंद्रा बैंक का तिमाही मुनाफा 26 प्रतिशत बढ़ा

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। बैंक का एकल आधार पर शुद्ध मुनाफा 26 प्रतिशत बढ़कर 4,123 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने शनिवार को पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम जारी करते हुए यह जानकारी दी। अप्रैल से जून की तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज से प्राप्त कुल आय में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह बढ़कर 7,928 करोड़ रुपये हो गई। वहीं, शुल्क तथा अन्य सेवाओं से होने वाली आय 11 प्रतिशत बढ़कर 2,500 करोड़ रुपये रही।

तिमाही के दौरान जोखिम में फंसे ऋण तथा अन्य मदों के लिए किए गए प्रावधान में उल्लेखनीय कमी आई। यह राशि एक वर्ष पहले के 1,208 करोड़ रुपये से घटकर 668 करोड़ रुपये रह गई, जो 45 प्रतिशत की गिरावट दर्शाती है। बैंक की शुद्ध उधारी में भी वृद्धि दर्ज की गई। यह सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 5,12,249 करोड़ रुपये पहुंच गई। वहीं, ग्राहकों की जमा राशि 12 प्रतिशत बढ़कर तिमाही के अंत तक 5,72,820 करोड़ रुपये रही। जमा की तुलना में उधारी का अनुपात बढ़कर 89.4 हो गया, जबकि एक वर्ष पहले यह 86.7 था। बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार दर्ज किया गया।

विकसित भारत के लिए ऋण पूंजी बाजार में सुधार जरूरी : क्रिसिल

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की वार्षिक प्रकाशन 'इंडियन डेट मार्केट इयरबुक 2026 – बॉन्डिंग फॉर विकसित भारत 2047' में कहा गया है कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के घरेलू ऋण पूंजी (बॉंड) बाजार में बुनियादी सुधार आवश्यक हैं। प्रकाशन में कहा गया है कि इस दिशा में नीतिगत स्तर पर व्यापक बदलाव किए जाने की जरूरत है।

शुक्रवार को मुंबई में मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन की उपस्थिति में इयरबुक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर प्रस्तुत विश्लेषण में कहा गया कि वर्ष 2047 तक देश का गैर-सरकारी ऋण सकल घरेलू उत्पाद के 150 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इसके लिए वित्तीय बाजारों को अधिक सुदृढ़, व्यापक और प्रभावी बनाने की आवश्यकता बताई गई है।

कार्यक्रम में क्रिसिल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिश मेहता, क्रिसिल रेटिंग्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुबोध राय तथा क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी भी उपस्थित रहे। इयरबुक में दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए घरेलू ऋण पूंजी बाजार को मजबूत करने और आवश्यक नीतिगत सुधारों को समयबद्ध तरीके से लागू करने पर विशेष बल दिया गया है।

एचडीएफसी बैंक का तिमाही लाभ लगभग पांच प्रतिशत बढ़ा

शुद्ध ब्याज आय में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि, परिणाम बाजार के अनुमान से रहे कम

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः एचडीएफसी बैंक लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित कर दिए हैं। अप्रैल से जून 2026 की अवधि में बैंक का स्वतंत्र शुद्ध लाभ वार्षिक आधार पर 4.98 प्रतिशत बढ़कर 19,059.72 करोड़ रुपये रहा। हालांकि यह परिणाम बाजार विशेषज्ञों के अनुमान से कम रहा।

बैंक की शुद्ध ब्याज आय में भी वृद्धि दर्ज की गई। पहली तिमाही में यह 6.7 प्रतिशत बढ़कर 33,535.95 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। हालांकि यह भी बाजार के अनुमानित स्तर को पार नहीं कर सकी।

तिमाही के दौरान बैंक का शुद्ध ब्याज अंतर कुल परिसंपत्तियों के आधार पर 3.26 प्रतिशत तथा ब्याज अर्जित करने वाली परिसंपत्तियों के आधार पर 3.40 प्रतिशत दर्ज किया गया। बैंक की कुल आय 92,184 करोड़ रुपये रही, जबकि कुल व्यय 64,016 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

आस्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक के सकल अनुत्पादक आस्तियों का अनुपात 30 जून 2026 तक सकल अग्रिमों का 1.17 प्रतिशत रहा। यह

31 मार्च 2026 के 1.15 प्रतिशत की तुलना में मामूली अधिक है, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 1.40 प्रतिशत था। वहीं शुद्ध अनुत्पादक आस्तियों का अनुपात 0.41 प्रतिशत दर्ज किया गया।

एचडीएफसी बैंक का शेयर 1.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ 819.60 रुपये पर बंद हुआ

बैंक ने पहली तिमाही में प्रावधान और आकस्मिकताओं के लिए 3,060 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। तिमाही के दौरान ऋण लागत अनुपात 0.40 प्रतिशत रहा। शुक्रवार को एचडीएफसी बैंक का शेयर 1.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ 819.60 रुपये पर बंद हुआ। इसके बावजूद वर्ष 2026 में अब तक बैंक के शेयर में 17.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। इसी अवधि में निफ्टी-50 सूचकांक में 6.9 प्रतिशत की कमजोरी रही है। शुद्ध ब्याज आय वह राशि होती है जो बैंक को ऋणों पर प्राप्त ब्याज में से जमाकर्ताओं को दिए गए ब्याज को घटाने के बाद प्राप्त होती है। वहीं शुद्ध ब्याज अंतर बैंक की ब्याज अर्जित करने वाली परिसंपत्तियों पर अर्जित आय और जमा राशि पर चुकाए गए ब्याज के बीच के अंतर को प्रतिशत के रूप में दर्शाता है।

स्काईरूट एयरोस्पेस के 'विक्रम-1' ने पहली ही उड़ान में पृथ्वी की निचली कक्षा तक पहुंचकर रचा इतिहास

भारत के पहले निजी कक्षीय रॉकेट का प्रक्षेपण सफल

नईदुनिया ब्यूरो, हैदराबादः देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए भारत के पहले निजी कक्षीय रॉकेट 'विक्रम-1' का सफल प्रक्षेपण किया। हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित इस रॉकेट ने पहली ही परीक्षण उड़ान में पृथ्वी की निचली वृत्ताकार कक्षा तक पहुंचकर नया इतिहास रच दिया। रॉकेट का प्रक्षेपण आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से दोपहर 12 बजकर पांच मिनट पर किया गया। प्रक्षेपण स्थल भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का था, जबकि रॉकेट का निर्माण और प्रक्षेपण संचालन कंपनी ने स्वयं किया।

स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना वर्ष 2018 में पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी। दोनों ने देश में कम लागत वाले और विश्वसनीय रॉकेट विकसित करने के उद्देश्य से इस कंपनी की शुरुआत की थी। इससे पहले वर्ष 2022 में कंपनी ने 'विक्रम-एस' नामक उपकक्षीय रॉकेट का सफल परीक्षण किया था, जो 89.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचा था। 'विक्रम-1' अब 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की निचली कक्षा तक पहुंचने में सफल रहा है।

इस अभियान को 'मिशन आगमन' नाम दिया गया। इसके माध्यम से तकनीकी अनुसंधान से जुड़े कई उपयोगी भार अंतरिक्ष में भेजे गए। साथ ही 18 कैरेट स्वर्ण से निर्मित एक सूक्ष्म कलाकृति भी भेजी गई, जिस पर वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की सूक्ष्म आकृतियां उकेरी गई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हस्तलिखित एक संदेश भी रॉकेट के साथ अंतरिक्ष में भेजा गया, जिस पर 'वंदे मातरम्' अंकित है।

पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने की क्षमता रखता

'विक्रम-1' हल्के तथा मजबूत कार्बन मिश्रित संरचना से निर्मित पूर्णतः कक्षीय रॉकेट है। इसमें तीन ठोस ईंधन चरण और एक तरल ईंधन आधारित कक्षीय समायोजन प्रणाली दी गई है। यह लगभग 350 किलोग्राम तक के उपयोगी भार को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने की क्षमता रखता है। कंपनी के संस्थापकों ने इसे आठ वर्षों के निरंतर प्रयास का परिणाम बताया। उनके अनुसार इस परीक्षण से प्राप्त आंकड़े भविष्य के अभियानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में देश में 400 से अधिक निजी अंतरिक्ष नवाचार उद्यम कार्यरत हैं, जो उपग्रह, प्रक्षेपण यान, प्रणोदन प्रणाली तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं।

अब उमंग एप से ही होगा सार्वभौमिक खाता संख्या सक्रिय

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने वेबसाइट से सुविधा हटाई

चेहरा प्रमाणीकरण अनिवार्य

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने अपने करोड़ों अंशधारकों के लिए सार्वभौमिक खाता संख्या को सक्रिय करने तथा नई सार्वभौमिक खाता संख्या प्राप्त करने की प्रक्रिया में बदलाव किया है। संगठन ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट से यह सुविधा बंद कर दी है। अब दोनों सेवाएं केवल 'उमंग' अनुप्रयोग के माध्यम से उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से आधार आधारित चेहरा प्रमाणीकरण अनिवार्य कर दिया गया है।

संगठन के अनुसार, अभिलेखों के एकीकरण तथा संगणक प्रणाली के उन्नयन के बाद ऑनलाइन सेवाओं को अधिक तेज और सुरक्षित बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

सार्वभौमिक खाता संख्या सक्रिय हुई है या नहीं, इसकी जानकारी प्राप्त करने के लिए अंशधारकों को उमंग अनुप्रयोग में 'चेहरा प्रमाणीकरण के माध्यम से सार्वभौमिक खाता संख्या सेवाएं' विकल्प के अंतर्गत 'सार्वभौमिक खाता संख्या आवंटन एवं सक्रियण' पर जाना होगा। वहां सार्वभौमिक खाता संख्या, आधार संख्या और पंजीकृत मोबाइल संख्या दर्ज कर सहमति विकल्प पर चिह्न लगाना होगा। इसके बाद एक बार उपयोग होने वाला कूट प्राप्त कर प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यदि खाता पहले से सक्रिय होगा तो इसकी सूचना स्क्रीन पर प्रदर्शित होगी।

वित्त मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष के लिए कर्मचारी भविष्य निधि पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को भी मंजूरी दे दी है। लगातार तीसरे वर्ष अंशधारकों को इसी दर से ब्याज मिलेगा। संगठन के नियमों के अनुसार, अंशधारकों को अपने भविष्य निधि खाते में हर समय न्यूनतम 25 प्रतिशत राशि बनाए रखना आवश्यक है।

आईसीआईसीआई बैंक का तिमाही लाभ 15.9 प्रतिशत बढ़ा

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 15.9 प्रतिशत बढ़कर 14,805 करोड़ रुपये हो गया। बैंक के निदेशक मंडल की बैठक के बाद जारी वित्तीय परिणामों के अनुसार, तिमाही के दौरान ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय 12.7 प्रतिशत बढ़कर 24,384 करोड़ रुपये रही। ब्याज से इतर आय में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 8,425 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इसमें शुल्क से प्राप्त आय 7,286 करोड़ रुपये रही, जो एक वर्ष पहले की तुलना में 23.5 प्रतिशत अधिक है। कुल शुल्क आय का 72 प्रतिशत हिस्सा खुदरा, ग्रामीण तथा व्यवसायिक बैंकिंग ग्राहकों से प्राप्त हुआ। परिचालन व्यय में भी 10.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 12,574 करोड़ रुपये रहा। बैंक द्वारा वितरित कुल ऋण 19.6 प्रतिशत बढ़कर 16,31,260 करोड़ रुपये तथा कुल जमा राशि 14 प्रतिशत बढ़कर 18,33,586 करोड़ रुपये हो गई। चालू और बचत खातों में जमा राशि में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल फिर महँगे

इस्लामाबाद, एजेंसीः

पेट्रोल 316.15 और उच्च गति डीजल 354.35 रुपये प्रति लीटर, अब प्रतिदिन तय होंगी कीमतें

पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और उच्च गति डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की है। नई दरों के अनुसार पेट्रोल 5.44 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और उच्च गति डीजल 31.05 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है। इसके बाद पेट्रोल की कीमत 316.15 पाकिस्तानी रुपये तथा उच्च गति डीजल की कीमत 354.35 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर हो गई है। नई दरें 18 जुलाई से प्रभावी कर दी गई हैं।

सरकार ने ईंधन मूल्य निर्धारण व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव करते हुए अब साप्ताहिक के स्थान पर प्रतिदिन कीमतें तय करने का निर्णय लिया है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में तेजी से उतार-चढ़ाव हो रहा है। इसी कारण मंत्रिमंडल और प्रधानमंत्री ने तेल एवं गैस विनियामक प्राधिकरण को प्रतिदिन नई दरें जारी करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

प्राधिकरण अपनी वेबसाइट पर प्रतिदिन सुबह नई कीमतें जारी करेगा। साथ ही यह भी सार्वजनिक करेगा कि कर, लाभांश तथा अन्य शुल्क जोड़ने के बाद उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाली अंतिम कीमत किस प्रकार तय की गई है। इससे पहले सरकार मार्च की शुरुआत से प्रत्येक सप्ताह ईंधन कीमतों की समीक्षा कर रही थी।

हालिया बढ़ोतरी के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपने उच्चतम स्तर से नीचे बनी हुई हैं। तीन अप्रैल को उच्च गति डीजल 520.35 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल 458.41 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था। ईंधन की कीमतों में तेजी का सिलसिला फरवरी के अंत में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद तेज हुआ था।

सरकार वर्तमान में पेट्रोल और डीजल पर प्रति लीटर लगभग 105 पाकिस्तानी रुपये विभिन्न करों और शुल्कों के रूप में वसूल रही है। इसमें सीमा शुल्क, पेट्रोलियम उपकर, जलवायु सहायता उपकर तथा आंतरिक परिवहन समानीकरण शुल्क शामिल हैं।

दूसरी ओर, ऑल पाकिस्तान डीलर्स एसोसिएशन ने प्रतिदिन मूल्य निर्धारण की व्यवस्था का विरोध किया है। संगठन का कहना है कि प्रतिदिन कीमतों में बदलाव से कारोबार और भंडार प्रबंधन प्रभावित होगा। एसोसिएशन ने इसके विरोध में अगले सप्ताह प्रदर्शन और हड़ताल की चेतावनी दी है। वहीं, पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों से आम उपभोक्ताओं, परिवहन क्षेत्र तथा महंगाई पर व्यापक असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

बोनस की मांग को लेकर वस्त्र निर्यात कंपनी में कर्मचारियों का प्रदर्शन

फरीदाबाद में सैकड़ों कर्मियों ने काम बंद किया, 20 प्रतिशत बोनस बहाल करने की मांग

नईदुनिया ब्यूरो, फरीदाबादः फरीदाबाद के सेक्टर-28 स्थित शाही एक्सपोर्ट कंपनी में बोनस को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। सैकड़ों कर्मचारी काम छोड़कर कंपनी के बाहर एक पार्क में एकत्र हो गए, जबकि बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी मुख्य द्वार के निकट धरने पर बैठ गईं। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि पहले उन्हें वेतन के साथ 20 प्रतिशत बोनस मिलता था, जिसे घटाकर आठ प्रतिशत कर दिया गया है। उनका आरोप है कि कंपनी लगातार कर्मचारियों के हितों में कटौती कर रही है।

स्थिति को देखते हुए कंपनी प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने मांग पूरी होने तक काम पर लौटने से इनकार कर दिया।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि कोरोना काल के बाद से बोनस में लगातार कमी की जा रही है। उनका आरोप है कि बढ़ती महंगाई के बावजूद बोनस घटाया जा रहा है, जिससे आर्थिक कठिनाइयां बढ़ रही हैं। कुछ कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी जा रही है।

कर्मचारियों का यह भी कहना है कि कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन और सुविधाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, जबकि श्रमिकों के बोनस में कटौती की जा रही है। उनका कहना है कि पहले भी बोनस घटाने के प्रस्ताव का विरोध किया गया था और अब फिर वही स्थिति उत्पन्न हो गई है।

कंपनी में लगभग छह हजार कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं। कंपनी की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी। कंपनी परिसर में मौजूद प्रतिनिधि ने केवल इतना कहा कि कंपनी में काम सामान्य रूप से चल रहा है और कुछ कर्मचारी ही बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है तथा कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है।

एक्सिस बैंक का तिमाही शुद्ध मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़ा

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकल आधार पर 7,114 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है। शनिवार को जारी वित्तीय परिणामों के अनुसार बैंक की ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय आठ प्रतिशत बढ़कर 14,646 करोड़ रुपये रही, जबकि परिचालन लाभ पांच प्रतिशत बढ़कर 11,659 करोड़ रुपये पहुंच गया। तिमाही के दौरान बैंक ने 2,223 करोड़ रुपये का प्रावधान किया, जिसमें 2,079 करोड़ रुपये जोखिमग्रस्त ऋण के लिए रखे गए। बैंक की कुल बैलेंसशीट 20 प्रतिशत बढ़कर 19,21,966 करोड़ रुपये हो गई। जमा राशि में 18 प्रतिशत तथा ऋण वितरण में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

मीडियाटेक ने स्मार्टफोन छायांकन में नवाचार पर दिया जोर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः विश्व की अग्रणी सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित अपने प्रमुख कार्यक्रम 'मीडियाटेक प्रौद्योगिकी दिवस' में स्मार्टफोन छायांकन और उपकरण से मेघ संगणना आधारित पारितंत्र के भविष्य को आकार देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। 'लेंस से परे' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में कंपनी की प्रणाली-आधारित चिप द्वारा समर्थित अत्याधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में कंपनी ने मोटर वाहन, आंकड़ा केंद्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित व्यक्तिगत संगणक तथा स्मार्टफोन से जुड़े अन्य क्षेत्रों को एकीकृत करने वाली अपनी 'वन मीडियाटेक' रणनीति की भी जानकारी दी। इस अवसर पर छायांकन तकनीक के भविष्य और बदलती उपभोक्ता अपेक्षाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

मीडियाटेक में भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के विपणन एवं निगमित संचार निदेशक अनुज सिद्धार्थ ने उन्नत छायांकन तकनीकों का उल्लेख करते हुए बताया कि नई प्रणाली बेहतर गतिशील परास प्रदान करती है तथा उच्च गुणवत्ता वाले स्थिर और सिनेमाई वीडियो रिकॉर्ड करने में सक्षम है। उन्होंने देश में तेजी से विकसित हो रहे बहु-उपकरण पारितंत्र के बीच उच्च प्रदर्शन संगणना के क्षेत्र में कंपनी की निरंतर प्रगति और नेतृत्व पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन छायांकन लगातार उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं को नई दिशा दे रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता समर्थित अगली पीढ़ी की छवि संसाधन तकनीक ऊर्जा दक्षता बनाए रखते हुए संगणनात्मक छायांकन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है। कंपनी अपने सहयोगी संस्थानों के साथ मिलकर ऐसी तकनीकों के विकास के लिए कार्य करती रहेगी, जिससे उपयोगकर्ता अधिक स्पष्टता, रचनात्मकता और बुद्धिमत्ता के साथ प्रत्येक क्षण को चित्रों में सुरक्षित कर सकें। कार्यक्रम में आयोजित परिचर्चा में विशेषज्ञों ने इस बात पर विचार व्यक्त किए कि उत्कृष्ट चित्र के लिए मानवीय दृष्टिकोण, उन्नत कैमरा संवेदक और छवि संसाधन प्रणाली—तीनों का संतुलित समन्वय आवश्यक है।

परिणाम पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 20,946 करोड़ रुपये, कुल आय 3.11 लाख करोड़ रुपये पहुंची

रिलायंस का तिमाही लाभ घटा, आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। अप्रैल से जून की अवधि में कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ वार्षिक आधार पर 22.40 प्रतिशत घटकर 20,946 करोड़ रुपये रहा। पिछले वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 26,994 करोड़ रुपये था। हालांकि पिछली तिमाही की तुलना में शुद्ध लाभ में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पहली तिमाही में कंपनी की कुल आय 25 प्रतिशत बढ़कर 3.11 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। एक वर्ष पूर्व समान अवधि में यह 2.48 लाख करोड़ रुपये थी। हालांकि पिछली तिमाही की तुलना में कुल आय में चार प्रतिशत की कमी रही।

रिलायंस खुदरा का पंजीकृत ग्राहक आधार बढ़कर 39 करोड़ हो गया

दूरसंचार कारोबार में रिलायंस जियो का शुद्ध लाभ वार्षिक आधार पर 9.2 प्रतिशत बढ़कर 7,764 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान उसकी आय 12 प्रतिशत बढ़कर 39,173 करोड़ रुपये पहुंच गई। प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय बढ़कर 215.6 रुपये हो गई, जबकि ग्राहकों की संख्या 7.1 प्रतिशत बढ़कर 53.3 करोड़ हो गई। कंपनी के अनुसार प्रत्येक उपभोक्ता प्रति माह औसतन 43.7 गीगाबाइट आँकड़ा उपयोग कर रहा है। तेल से रसायन कारोबार की आय 30 प्रतिशत बढ़कर 2.01 लाख करोड़ रुपये रही। तेल एवं गैस कारोबार की आय तीन प्रतिशत बढ़कर 6,298 करोड़ रुपये हो गई। खुदरा कारोबार की आय सात प्रतिशत बढ़कर 90,409 करोड़ रुपये तथा डिजिटल सेवाओं की आय 12 प्रतिशत बढ़कर 46,900 करोड़ रुपये रही। अन्य कारोबारों की आय में 69 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए यह 31,204 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। रिलायंस खुदरा का पंजीकृत ग्राहक आधार बढ़कर 39 करोड़ हो गया है। तिमाही के दौरान 577 नए भंडार खोले गए।